आज दिनांक 16.11..2011 को विश्वविद्यालय परिसर में निम्न विषय की पाठ्यक्रम समिति की एक आवश्यक बैठक हुई, जिसमें निम्न प्राध्यापकगण उपस्थित हुए :–

Date :- 16.11.2011 Subject :- Hindi Committee Place :- Committee Hall

1. Dr. Kumud Goyal
2. Dr. Sachindra Varisth
3. Dr. Neeru Kapoor

एम.ज.पो. रुहलखण्ड विश्वविद्यालय बरलो

बा.ए. (पथम वष) हिन्दी भाषा

द्वितीय पश्नपत्र

हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप

पणाक : 50

पाठ्य-विषय–

1- हिन्दी ध्वनियों का स्वरूप–
   क- स्वर और व्यजन
   ख- सज्ञा, सवनाम, क्रिया, विशषण
   ग- वाक्य सरचना
2- हिन्दी शब्द-समह
3- हिन्दी शब्द सरचना– पयायवाची, समानाथक, विलामाथक, अनकाथक, अनक शब्दों क स्थान पर एक शब्द समहाथक शब्दों क पयाग, निकटाथी शब्दों क सक्ष्म अथ-भद, समानाथक शब्दों क भद।
4- लिग विधान और कारक पयाग–
   क- वतनी
   ख- विरामादि चिह्नों क पयाग
   ग- मुहावर और लोकोक्तियाँ तथा उनक रचनात्मक पयाग
5- उपसग, पत्यय।

अक विभाजन

5 वस्तुनिष्ठ	:	5 X 1 = 5
5 लघु उत्तरीय पश्न	:	5 X 3 = 15
2 दीघ उत्तरीय पश्न	:	2 X 6 = 12
3 आलाचनात्मक पश्न	:	3 X 6 = 18
	याग	= 50

सन्दभ–

1. राजभाषा हिन्दी - गोविन्ददास, हिन्दी साहित्य सम्मलन, पयाग।
2. राष्ट्रभाषा आन्दोलन - गोपाल परशराम, महाराष्ट्र सभा।

एम.ज.पो. रुहलखण्ड विश्वविद्यालय बरलो

बो.ए. (पथम वष) हिन्दी भाषा

पथम पश्नपत्र

हिन्दो भाषा का विकासात्मक परिचय

पणाक : 50

पाठय विषय–

1- अपभंश आर पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध

2- हिन्दी की उपभाषाओं का सामान्य परिचय

3- काव्य भाषा क रूप में हिन्दी का विकास

 अ. अवधी का विकास

 ब. बज का विकास

 स. खड़ी बोली का विकास

4- राष्टभाषा क रूप में हिन्दी का विकास-

 अ. खड़ी बोली का सम्पर्क भाषा क रूप में विकास

 ब. राजभाषा : तात्पय एवं महत्त्व

 स. राष्टभाषा हिन्दी की समस्याएं

5- दवनागरी लिपि–

 अ. संक्षिप्त इतिहास

 ब. वज्ञानिकता

 स. सीमाएं आर सम्भावनाएं

 द. वतमान सन्दभ में साथकता

अक विभाजन

5 वस्तुनिष्ठ	:	5 X 1 = 5
5 लघु उत्तरीय पश्न	:	5 X 3 = 15
2 दीघ उत्तरीय पश्न	:	2 X 6 = 12
3 आलोचनात्मक पश्न	:	3 X 6 = 18
		= 50

सन्दभ पुस्तक–

1. हिन्दीभाषा का उदभव आर विकास - उदयनारायण तिवारी

2. नागरीलिपि आर हिन्दी वतनी - बिहार हिन्दी गन्थ अकादमी, पटना

3. राष्टभाषा आर हिन्दी - राजन्दमोहन भटनागर, क.हि. संस्थान, आगरा

एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली

बी.ए. (प्रथम वर्ष) हिन्दी भाषा

द्वितीय प्रश्नपत्र

हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप

पूर्णांक : 50

पाठ्य-विषय–

1- हिन्दी ध्वनियों का स्वरूप--
   - क- स्वर और व्यंजन
   - ख- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण
   - ग- वाक्य संरचना

2- हिन्दी शब्द-समूह

3- हिन्दी शब्द संरचना– पर्यायवाची, समानार्थक, विलोमार्थक, अनेकार्थक, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द समूहार्थक शब्दों के प्रयोग, निकटार्थी शब्दों के सूक्ष्म अर्थ-भेद, समानार्थक शब्दों के भेद।

4- लिंग विधान और कारक प्रयोग--
   - क- वर्तनी
   - ख- विरामादि चिह्नों के प्रयोग
   - ग- मुहावरे और लोकोक्तियों तथा उनके रचनात्मक प्रयोग

5- उपसर्ग, प्रत्यय।

अंक विभाजन

5 वस्तुनिष्ठ	:	5 X 1 = 5
5 लघु उत्तरीय प्रश्न	:	5 X 3 = 15
2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2 X 6 = 12
3 आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 X 6 = 18
	योग	= 50

सन्दर्भ–

1. राजभाषा हिन्दी - गोविन्ददास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. राष्ट्रभाषा आन्दोलन - गोपाल परशुराम, महाराष्ट्र सभा।

I/c website कृपया upload करें
A.R.

हिन्दी भाषा

बी0ए0 ;द्वितीय वर्ष
प्रथम प्रश्न–पत्र प्रयोजनमूलक
हिन्दी का स्वरूप

पूर्णांक : 50

01– प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एवं विकास।

02– टिप्पणी, आलेखन।

03– हिन्दी पत्राचार–

क. कार्यालयी, पत्राचार।

ख. वाणिज्यिक पत्राचार।

04– पारिभाषिक शब्दावली का सैद्धान्तिक परिचय, व्यवहार।

05– संक्षेपण एवं पल्लवन।

अक विभाजन

10 वस्तुनिष्ठ	:	10 × 01 त्र 10
5 लघु उत्तारीय प्रश्न	:	05 × 02 त्र 10
6 लघु–उत्तरीय प्रश्न	:	06 × 02 त्र 12
3 आलोचनात्मक प्रश्न	:	03 × 06 त्र 18
योग		= 50

सन्दर्भ पुस्तकें–

01– प्रयोजनमूलक हिन्दी– रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

02– प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग, रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 03– प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी– रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 04– हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप– कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिलाप्रकाशन, दिल्ली 05– प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी– कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला, प्रकाशन, दिल्ली 06– प्रशासनिक हिन्दी टिप्पण, प्रारूपण एवं पत्र लेखन– हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

07– आधुनिक व्याकरण एवं रचना– वासुदेव नन्दन प्रसाद, पटना

संशोधित पाठ्यक्रम

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

हिन्दी भाषा– द्वितीय प्रश्न–पत्र

आधुनिक गद्य विधायें

पाठ्य विषय– पूर्णांक : 50

गद्य विविधा नामक संकलन बनाया जायेगा जिसमें निम्नलिखित विधायें समायोजित की जायेंगी।

01– व्यंग्य– भारतेन्दु – स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन

02– प्रेमचन्द – बड़े भाई साहब

03– रेखाचित्र– महादेवी वर्मा– गिल्लू

04– संस्मरण– काशीनाथ सिंह– घर का जोगी जोगड़ा– पृष्ठ 41 उन दिनों उन्होंने भैरव प्रसाद गुप्त – से पृष्ठ 50 विद्रोह भी लोगों के दिमाग में होते हैं, तक।

05– रिपोर्ताज– फणीश्वरनाथ रेणु – ऋण जल धन जल– पंछी की लाश

06– यात्रावृतांत – अज्ञेय–अरे यायावार रहेगा याद का एक अंश– मौत की घाटी

07– डायरी– रघुवीर सहाय – दिल्ली मेरा परदेश

08– आत्मकथा – ओम प्रकाश वाल्मीकि – जूठन का एक अंश पृ 30 बरसात के दिन –से पृ 35 मकानों को भी जर्जर कर देते हैं–तक।

अंक विभाजन

10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10 x 01 = 10
पाठ्य–पुस्तक से 4 लघु उत्तरीय प्रश्न	04 x 03 = 12
5 अति लघु उत्तरीय प्रश्न	05 x 02 = 10
आलोचनात्मक प्रश्न–3	03 x 06 = 18
	योग 50 अंक